बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 23 ● अंक: 202 ● नई दिल्ली ● मंगलवार 12 अगस्त 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 8

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर देवरिया में जागरूकता की मिसाल, डीएम व एसपी ने बच्चों संग किया दवा का सेवन

देवरिया। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर सोमवार को पीएमश्री राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त पहल पर विशेष जागरूकता एवं दवा सेवन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में जिलाधिकारी दिव्या मित्तल और पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने स्वयं एल्बेंडाजोल दवा का सेवन कर बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। जिलाधिकारी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर और मस्तिष्क ही देश का भविष्य गढ़ सकते हैं। उन्होंने चिंता जताई कि आज के समय में बच्चों का अधिक समय इंटरनेट और मोबाइल पर बीतता है, जिससे न केवल उनकी शारीरिक सक्रियता कम होती है बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है।

वोटर वेरिफिकेशन के खिलाफ विपक्ष का मार्च

नई दिल्ली ।

वोटर वेरिफिकेशन और चुनाव में वोट चोरी के आरोप पर विपक्ष के 300 सांसदों ने सोमवार को संसद से चुनाव आयोग के ऑफिस तक मार्च निकाला। इस दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिया गया। पुलिस उन्हें संसद मार्ग पुलिस स्टेशन ले गई, जहां से 2 घंटे बाद रिहा किया गया। प्रदर्शन के दौरान जख्मी सांसद मिताली बाग की तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गईं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य सांसदों ने मदद की। इससे पहले दोनों सदनों में इस मुद्दे पर भारी हंगामा हुआ और कार्रवाही 2 बजे तक स्थगित कर दी गई थी। जो दोपहर 2 बजे दोबारा शुरू हुई। मार्च संसद के मकर द्वार से शुरू हुआ। सांसदों के हाथों में वोट बचाओ के बैनर थे। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने कहा था कि इंडिया ब्लॉक ने मार्च के लिए कोई अनुमति नहीं मांगी है, इसलिए इलेक्शन कमीशन जाने से पहले ही मार्च को परिवहन भवन के पास बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया गया। बाद में अखिलेश ने बैरिकेडिंग फांदकर आगे बढ़ने की कोशिश की। जब सांसदों को आगे नहीं जाने दिया गया तो वे जमीन पर बैठ गए। प्रियंका, डिंपल समेत कई सांसद वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगाते दिखे। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे इन सांसदों को हिरासत में ले लिया था।

प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी को कायर कहा

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा- देश भर में हो रही वोट चोरी के खिलाफ विपक्ष के करीब 300 सांसद चुनाव आयोग के अधिकारियों से मिलने जा रहे थे, लेकिन सभी को हिरासत में ले लिया गया. नरेंद्र मोदी जी को कायर सरकार जनता और विपक्ष की आवाज सुनने की जगह, उसे कुचल देना चाहती है. वे सत्ता के पीछे छुपकर हर दिन जनता के अधिकारों पर हमला करते है, लेकिन हम न डरेंगे, न पीछे हटेंगे. जनता के अधिकारों पर हर हमले का डटकर मुकाबला करेंगे.

चुनाव आयोग पर राहुल गांधी ने फिर साधा निशाना

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने फिर से चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भारत के लोकतंत्र की हालत देखिए। 300 सांसद चुनाव आयोग से मिलकर एक दस्तावेज पेश करना चाहते थे, लेकिन उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी गई। वे डरे हुए है। अगर 300 सांसद आ गए और उनकी सच्चाई सामने आ गई तो क्या होगा? यह लड़ाई अब राजनीतिक नहीं रही। यह लड़ाई संविधान और एक व्यक्ति एक वोट के लिए है। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमने कर्नाटक में साफ तौर पर दिखा दिया है, यह मल्टीपल मैन, मल्टीपल वोट था। पूरा विपक्ष इसके खिलाफ लड़ रहा है।

अब चुनाव आयोग के लिए छिपना बहुत मुश्किल होगा। चुनाव आयोग के नोटिस पर राहुल गांधी ने कहा कि यह उनका (चुनाव आयोग का) डेटा है। वह मेरा डेटा नहीं है जिस पर मैं (हलफनामे पर) हस्ताक्षर करूंगा... उस डेटा को अपनी वेबसाइट पर डालें और आपको पता चल जाएगा। यह सब सिर्फ मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए है। यह सिर्फ बेंगलुरु में ही नहीं, बल्कि कई अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में भी हुआ है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग जानता है कि उसका डेटा फटेगा। जो वो छिपाने की कोशिश कर रहा है, उसको हम निकाल देंगे।

सुप्रीम कोर्ट का सख्त आदेश- किसी गली में नजर न आए एक भी आवारा कुत्ता

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सड़कों पर घूमने वाले आवारा कुत्तों के काटने से हो रही मौतों के मामले को गंभीरता से लेते हुए सख्त आदेश दिया है. कोर्ट ने आवारा कुत्तों को शेल्टर होम्स में रखने का निर्देश दिया है और अगर कोई संगठन इसमें बाधा डालने की कोशिश करता है तो उनके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा. दिल्ली में आवारा कुत्तों की समस्या को अत्यधिक गंभीर बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (11 अगस्त, 2025) को दिल्ली सरकार और नगर निकायों को निर्देश दिया कि वे जल्द से जल्द सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को उठाना शुरू करें और उन्हें आश्रय स्थलों में रखें. कुत्तों के काटने की घटनाओं से निपटने के लिए कई निर्देश पारित करते हुए कोर्ट ने चेतावनी दी कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन आवारा कुत्तों को उठाने में अधिकारियों के काम में बाधा डालेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि फिलहाल लगभग 5,000 आवारा कुत्तों के लिए शेल्टर होम बनाए जाने चाहिए और कुत्तों के बधियाकरण और टीकाकरण के लिए पर्याप्त संख्या में कर्मचारी तैनात किए जाने चाहिए. एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से भी इस मामले में उनके विचार पूछे. एसजी मेहता ने कोर्ट को बताया कि दिल्ली में ही एक जगह का

आवारा कुत्तों को रखने के लिए चयन किया गया था, लेकिन एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट स्टे ऑर्डर ले आए, जिसकी वजह से इस योजना पर रोक लगानी पड़ी. सुप्रीम कोर्ट ने इस पर कहा, क्या एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट उन लोगों को वापस ला सकते हैं, जो रेबीज का शिकार हुए. हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी गली में कोई आवारा घूमता नजर न आए. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आवारा कुत्तों को शेल्टर होम्स में रखा जाए और उन्हें सड़कों, कॉलोनियों और सार्वजनिक स्थानों पर न छोड़ा जाए. बेंच ने कहा, %हम व्यापक जनहित को ध्यान में रखते हुए ये निर्देश जारी कर रहे हैं. साथ ही, बेंच ने यह भी कहा कि छोटे बच्चों को किसी भी कीमत पर आवारा कुत्तों से बचाना होगा.

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम यह अपने लिए नहीं कर रहे हैं, यह जनहित के लिए है इसलिए किसी भी तरह की भावनाओं को इसमें शामिल नहीं किया जाना चाहिए और इस मामले में जल्द से जल्द एक्शन लिया जाए. कोर्ट ने कहा कि सभी कुत्तों को उठाकर दूर-दराज के इलाकों में ले जाएं. सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों को एक हफ्ते के अंदर एक हेल्पलाइन बनाने का भी निर्देश दिया ताकि कुत्तों के काटने के सभी मामलों की तुरंत सूचना दी जा सके. सुप्रीम कोर्ट ने 28 जुलाई को दिल्ली में कुत्तों के काटने से रेबीज फैलने की मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लिया था.

दिल्ली पुलिस ने जुआ रैकेट का किया भंडाफोड़, कुख्यात आरोपी अवैध हथियार सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस को एक महत्वपूर्ण कार्रवाई में दो सफलताएं हाथ लगीं. पुलिस ने एक जुआ रैकेट का भंडाफोड़ किया और एक कुख्यात अपराधी को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है. दोनों ऑपरेशन किशनगढ़ पुलिस स्टेशन और ऑपरेशंस सेल के कर्मचारियों द्वारा किए गए. इस मामले में साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने सोमवार को प्रेस रिलीज जारी करके बताया, ऑपरेशंस सेल की एक टीम ने किशनगढ़ क्षेत्र से अवैध जुए में शामिल छह व्यक्तियों को गिरफ्तार किया. इन सभी आरोपियों की पहचान अकिल खान (28), राजीव सिंह (44), शुभम कुमार चौरसिया (30), चंदरपाल (50), महेंद्र सिंह (60), और वाशिम (38) के रूप में हुई है, जिन्हें एक निजी आवास पर विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर छापेमारी के दौरान रंगे हाथों पकड़ा गया. रिलीज में बताया गया, ÷उनकी गिरफ्तारी के साथ, 66,000 रुपये और कुल 104 ताश के पत्ते मौके से बरामद किए गए.÷8 अगस्त को प्राप्त एक गुप्त सूचना के आधार पर, इंस्पेक्टर हरी सिंह के नेतृत्व और एसीपी विजय सिंह की निगरानी में टीम ने छापेमारी की. दिल्ली पब्लिक गैंबलिंग एक्ट के तहत एक मामला दर्ज किया गया है, और आगे की जांच जारी है. एक अलग ऑपरेशन में, किशनगढ़ पुलिस ने आर.के. पुरम के रहने वाले संजय को गिरफ्तार किया. 28 साल का ये बदमाश आदतन अपराधी है. गिरफ्तारी 10 अगस्त को मुनिरका गांव के पहाड़ी पार्क के पास नियमित गश्त के दौरान हुई. संदिग्ध गतिविधि देखने पर, पुलिस ने पीछा किया और संदिग्ध को पकड़ लिया. उसके पास से एक देसी पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए. प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि संजय पहले आर.के. पुरम और किशनगढ़ में दर्ज सात मामलों में डकैती, छिनैती, चोरी और आर्म्स एक्ट उल्लंघन में शामिल रहा है. आरोपी कथित तौर पर नशे का आदी है. उसने विभिन्न अपराधों में अवैध हथियार का उपयोग करने की बात कबूल की. आर्म्स एक्ट के तहत एक एफआईआर दर्ज की गई है, और हथियार जब्त कर लिया गया है. इन दोनों ऑपरेशन की सफलता पर साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के पुलिस उपायुक्त, अमित गोयल ने कहा, साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट पुलिस अपराधी नेटवर्क पर नकेल कसने, सुरक्षा सुनिश्चित करने और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है.

विपक्षी सांसदों के साथ मार्च में शामिल हुई आप, संजय सिंह बोले- राहुल गांधी ने जो...

नई दिल्ली । चुनाव में गड़बड़ी के आरोपों के साथ विपक्षी दलों का हमला जारी है. इस मार्च में आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह भी शामिल हुए. उनके हाथों में एसआईआर पर चुप्पी क्यों की तख्ती थी. उन्होंने एसआईआर वापस लो के नारे लगाए. बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू किया. राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा, ये साबित हो गया है कि देश के प्रधानमंत्री अवैध तरीके से चुने गए हैं. हथकंडों को अपनाकर, चुनाव आयोग का गलत इस्तेमाल करके देश के प्रधानमंत्री बने हैं. ये सरकार अवैध सरकार है. महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा में भी गड़बड़ी हुई. बिहार में एसआईआर के नाम पर गड़बड़ी हो रही है. उन्होंने कहा, चुनाव आयोग वोट काटने पर नहीं बता रहा है कि क्यों काटा गया. मेरे ख्याल से लोकतंत्र का मतलब नहीं बचा है. पार्टियां संगठन बना रही है, मेहनत कर रही है, लेकिन वो लोग चुनाव आयोग को सेट किए हुए हैं, तो चुनाव का क्या मतलब है. संजय सिंह ने कहा, राहुल गांधी ने जो आरोप लगाए हैं, उन्होंने सबूत दिया है. आप ने तो दिल्ली में सबूत दिया था. चुनाव आयोग गड़बड़ी में शामिल है. ददरअसल, राहुल गांधी ने पिछले दिनों कर्नाटक की एक सीट का उदाहरण देते हुए कई आरोप लगाए. उन्होंने कहा कि हजारों की संख्या में फर्जी वोट जोड़े गए और लाखों की संख्या में वैध वोट्स काटे गए. चुनाव आयोग इन आरोपों को खारिज किया है और हलफनामा देकर अपनी बात कहने के लिए नोटिस दिया है. वहीं राहुल गांधी ने इससे साफ-साफ इनकार कर दिया. इस बीच विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग के खिलाफ दिल्ली में मार्च निकाले.

धर्मेंद्र प्रधान बोले- घुसपैठियों को मतदाता बनाकर वो राजनीतिक रोटी सेंकना चाहते हैं

नई दिल्ली । बिहार में चल रहे और अन्य राज्यों में प्रस्तावित मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के बीच राहुल गांधी सहित कई नेताओं और सांसदों को हिरासत में लिया गया। सोशल मीडिया पर वीडियो में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को बैरिकेड्स कूदते हुए दिखाया गया, जबकि अन्य विपक्षी नेता संसद भवन से निर्वाचन सदन तक अपना मार्च जारी रखे हुए थे। विपक्ष के चुनाव आयोग मार्च पर भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पलटवार किया है। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि INDI गठबंधन के लोग, विशेषकर कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी, जो आए दिन संविधान की दुहाई देते हैं। इन दिनों देश देख रहा है कि सबसे ज्यादा संविधान विरोधी काम अगर कोई कर रहा है, तो उसके सरगना भी राहुल गांधी ही हैं।

उन्होंने कहा कि एसआईआर, चुनाव आयोग, चुनाव की प्रक्रिया आज दुनिया में सिद्ध व्यवस्था बन चुकी है। एसआईआर पहली बार नहीं हो रहा है। हर राज्य में, राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव आयोग की एक नियमित प्रक्रिया है कि मतदाता सूची को व्यवस्थित करने के लिए वो लगातार काम करता है। भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पहले EVM पर झूठ बोलती है, कभी महाराष्ट्र की उठाते हैं, कभी हरियाणा की बात उठाते हैं, वो हर रोज झूठ का एक नया पहाड़ बनाते हैं। 2014, 2019 और 2024 में और उनके बीच अनेक राज्यों में निरंतर पराजय के कारण कांग्रेस पार्टी एक दिवालियापन की स्थिति में पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि पिछले 2-3 दिनों में जो वाद-विवाद हुआ, उसपर भारतीय मीडिया ने तथ्यों की जांच करके राहुल गांधी के हर एक झूठ का प्रमाण के आधार पर बेनकाब किया है। कांग्रेस और विपक्ष के पास केवल वोटबैंक की राजनीति ही बची है। घुसपैठियों को मतदाता बनाकर वो अपनी राजनीतिक रोटी सेंकना चाहते हैं। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि चुनाव आयोग ने एक संवैधानिक और निष्पक्ष व्यवस्था होने के नाते जब इनको सही बात बताई, तो ये चुनाव आयोग को भी ध्वस्त करने के लिए कहते हैं। ये कहते हैं कि हम एटम बम गिराएंगे, चुनाव आयोग बिखर जाएगा। आज विपक्ष के नेता जिस भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, वही भाषा देश को बांटने की साजिशों को बढ़ावा देती है।

भरतपुर की सांसद संजना जाटव अस्पताल में भर्ती, मार्च के दौरान बैरिकेडिंग पर चढ़ गई थीं

नई दिल्ली । दिल्ली में इंडिया गठबंधन के विरोध प्रदर्शन में शामिस भरतपुर की कांग्रेस सांसद संजना जाटव अचानक बेहोश होकर गिर पड़ीं. उन्हें दिल्ली पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है. चुनाव आयोग के खिलाफ चल रहे विपक्षी दलों के प्रोटेस्ट में संजना जाटव भी शामिल हैं. दिल्ली पुलिस ने जब सांसदों को चुनाव आयोग के कार्यालय तक जाने से रोका तो सांसद संजना जाटव बैरिकेडिंग पर चढ़ गईं. बताया जा रहा है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने जिन सांसदों को हिरासत में लिया था, उनमें संजना जाटव भी शामिल थीं. तबीयत बिगड़ने पर उन्हें राहुल गांधी समेत अन्य सांसदों ने संभाला और फिर पुलिस की मदद से उन्हें अस्पताल ले जाया गया. सांसदों को हिरासत में लेकर बस में भरा गया. अब उन्हें छोड़ा भी जा रहा है. इस दौरान संजना जाटव के अलावा, महुआ मोइत्रा और मिताली बाग भी बेहोश हो गईं. इस दौरान राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि हकीकत तो यह है कि वे बात नहीं कर सकते. यह लड़ाई राजनीति का हिस्सा नहीं बल्कि संविधान को बचाने की लड़ाई है. विपक्ष की एक ही मांग है कि वोटर लिस्ट को साफ-सुथरा करें. विपक्ष के नेता लगातार सवाल उठा रहे हैं कि बीजेपी सरकार और चुनाव आयोग विपक्ष के प्रदर्शन से डर क्यों रहे हैं? अगर वे गलत नहीं हैं तो सबूत पेश करें. अखिलेश यादव ने भी यह आरोप लगाया कि सरकार ने पुलिस को भेजकर विपक्ष का मुंह बंद करने की और उन्हें रोकने की कोशिश की है. इस दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से भी बयान आया. नई दिल्ली DCP देवेश कुमार महला ने जानकारी दी कि पुलिस और चुनाव आयोग लगातार संपर्क में थे. चुनाव आयोग की ओर से एक पत्र आया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि विपक्ष के कोई भी 30 लोग चुनाव आयोग तक आ सकते हैं.

पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष की धमकी और भारतीय सेनाध्यक्ष के बयान ने दुनिया को कई बड़े संदेश दिये हैं

नीरज कुमार दुबे

दक्षिण एशिया में सामरिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। एक ओर पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर के ताज़ा बयान ने भारत के पूर्वी मोर्चे पर संभावित खतरे का संकेत दिया है तो दूसरी ओर भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आने वाले युद्ध को केवल सैनिकों का नहीं, बल्कि पूरे देश का युद्ध बताया है। दोनों बयान यह स्पष्ट कर रहे हैं अगला टकराव पारंपरिक सीमाओं से परे होगा, यह सैन्य शक्ति, तकनीक, सूचना युद्ध और जन-भागीदारी का सम्मिलित परीक्षण होगा। हम आपको बता दें कि असीम मुनीर ने The Economist को दिए साक्षात्कार और अमेरिकी धरती पर दिए बयानों में साफ कहा– हम पूर्व से शुरू करेंगे। यह बयान भारत-बांग्लादेश गलियारे की ओर इशारा करता है, जहाँ हालिया राजनीतिक बदलावों के बाद ढाका का रुख पाकिस्तान के प्रति कुछ नरम दिख रहा है। वहां पुराने इस्लामी नेटवर्क और आतंकी चैनलों के फिर से सक्रिय होने की आशंका जताई जा रही है। इसके अलावा, मुनीर ने न केवल पूर्वी मोर्चे पर रणनीतिक वार की बात की, बल्कि जल युद्ध की धमकी देते हुए कहा, भारत बांध बनाए और हम उसे दस मिसाइलों से उड़ा देंगे। साथ ही, परमाणु हमले की अप्रत्यक्ष चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पाकिस्तान पर अस्तित्व का संकट आया, तो हम आधी दुनिया को अपने साथ ले डूबेंगे। मुनीर के ये बयान उस समय आए हैं जब पाकिस्तान-अमेरिका रिश्तों में सुधार देखने को मिला है। अमेरिकी सेंटकॉम के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात और पाकिस्तान को फिर से अमेरिकी रणनीतिक मानचित्र में लाने का दावा, मुनीर के आत्मविश्वास को बढ़ा रहा है। महीने भर में दो बार अमेरिका की यात्रा करने के बाद मुनीर जिस तरह परमाणु धमकियां दे रहे हैं और भारत के साथ आधी दुनिया को लेकर डूबने की बात कह रहे हैं उससे अमेरिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। देखा जाये तो पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर का अमेरिका की धरती से भारत को सीधी परमाणु धमकी देना केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिए नहीं, बल्कि वैश्विक शांति के लिए भी गंभीर संकेत है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद को भारत-पाकिस्तान के बीच शांति दूत के रूप में प्रस्तुत कर नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नैतिक आधार तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। मुनीर ने न केवल यदि हमारे अस्तित्व पर खतरा हुआ तो हम आधी दुनिया को ले डूबेंगे जैसी उत्तेजक भाषा का प्रयोग किया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी जिम्मेदार परमाणु शक्ति की तरह व्यवहार करने को तैयार नहीं है। ऐसे में ट्रंप के 'शांति दूत' होने का दावा हास्यास्पद प्रतीत होता है, क्योंकि उनके देश में खड़े होकर ही पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य नेता ने परमाणु युद्ध की धमकी दी। यह स्थिति

महीने भर में दो बार अमेरिका की यात्रा करने के बाद मुनीर जिस तरह परमाणु धमकियां दे रहे हैं और भारत के साथ आधी दुनिया को लेकर डूबने की बात कह रहे हैं उससे अमेरिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। देखा जाये तो पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर का अमेरिका की धरती से भारत को सीधी परमाणु धमकी देना केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिए नहीं, बल्कि वैश्विक शांति के लिए भी गंभीर संकेत है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद को भारत-पाकिस्तान के बीच शांति दूत के रूप में प्रस्तुत कर नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नैतिक आधार तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। मुनीर ने न केवल यदि हमारे अस्तित्व पर खतरा हुआ तो हम आधी दुनिया को ले डूबेंगे जैसी उत्तेजक भाषा का प्रयोग किया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी जिम्मेदार परमाणु शक्ति की तरह व्यवहार करने को तैयार नहीं है।

अमेरिका की कूटनीतिक साख पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। सवाल उठता है कि क्या वाशिंगटन अपने मेहमानों के कट्टर और आक्रामक भाषणों को महज राजनीतिक बयानबाजी मानकर अनदेखा करता रहेगा? और क्या दुनिया ऐसे शांति प्रयासों को गंभीरता से लेगी, जिनके बीच ही परमाणु युद्ध की आशंका का सार्वजनिक प्रसारण हो रहा हो? मुनीर का यह बयान एक बार फिर याद दिलाता है कि पाकिस्तान की नीति में परमाणु हथियार सिर्फ रक्षा का साधन नहीं, बल्कि राजनीतिक और सामरिक दबाव का हथियार है– और यही वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इसके अलावा, असीम मुनीर का अमेरिका में खड़े होकर भारत को परमाणु धमकी देना केवल सैन्य या कूटनीतिक बयान नहीं, बल्कि इसके पीछे एक गहरी आर्थिक मंशा भी झलकती है। पाकिस्तान की यह पुरानी रणनीति रही है कि जब भी उसकी आर्थिक हालत चरमरा जाती है, वह भारत के साथ तनाव बढ़ाकर और परमाणु युद्ध की आशंका पैदा करके वैश्विक वित्तीय संस्थाओं और दाता देशों पर दबाव बनाता है। इस बार भी यही पैटर्न दिखाई देता है– अंतरराष्ट्रीय मंच पर परमाणु धमकी देकर पाकिस्तान ने अप्रत्यक्ष रूप से विश्व बैंक, आईएमएफ और अन्य वित्तीय एजेंसियों को यह संदेश दिया कि अगर उसके भुगतान रोके गए तो दक्षिण एशिया में अस्थिरता बढ़ सकती है, जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। यह न्यूक्लियर ब्लैकमेल की रणनीति पाकिस्तान दशकों से अपनाता आ रहा है और कई बार उसे आपातकालीन वित्तीय पैकेज भी इसी दबाव के चलते मिल चुके हैं। समस्या यह है कि वैश्विक संस्थाएं पाकिस्तान की इस रणनीति को भलीभांति जानती हैं, फिर भी क्षेत्रीय अस्थिरता के डर से उसके आगे झुक जाती हैं। यह प्रवृत्ति न केवल अंतरराष्ट्रीय कानून और जिम्मेदार परमाणु आचरण के खिलाफ है, बल्कि इससे पाकिस्तान को यह गलत संदेश भी जाता है कि वह धमकी की राजनीति से आर्थिक लाभ उठाता रह सकता है। वास्तव में, यदि दुनिया सचमुच दक्षिण एशिया में स्थिरता चाहती है तो उसे इस तरह की परमाणु धमकियों को पुरस्कृत करने की बजाय इन पर कड़े आर्थिक और कूटनीतिक प्रतिबंध लगाने की नीति अपनानी होगी।

दूसरी ओर, भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने IIT मद्रास में स्पष्ट शब्दों में कहा– अगला युद्ध निकट हो सकता है और हमें इसकी तैयारी अभी करनी होगी। उन्होंने Whole-of-Nation दृष्टिकोण पर जोर देते हुए कहा कि इस बार लड़ाई सिर्फ सीमाओं पर तैनात सैनिक नहीं लड़ेंगे; नागरिक तैयारी, तकनीकी श्रेष्ठता और सूचना प्रबंधन उतने ही निर्णायक होंगे। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण दिया, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पीओके में सटीक हमले किए गए। इस अभियान में तकनीक, सामरिक संदेश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नैरेटिव सेट करने का संयोजन किया गया। पाकिस्तान के भीतर जहाँ इसे जीत के रूप में पेश किया गया, वहीं भारत ने Justice Done संदेश के साथ वैश्विक स्तर पर समर्थन हासिल किया। इस संदेश को महिला अधिकारियों की प्रेस ब्रीफिंग और विशेष ऑपरेशन लोगो जैसे प्रतीकों से और मजबूत किया गया। देखा जाये तो यह साफ है कि पाकिस्तान की धमकियों में केवल सैन्य टकराव का इशारा नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक और सूचना युद्ध का भी संकेत है। मुनीर का 'पूर्व से शुरू' करने का दावा भारत की बहु-मोर्चीय सुरक्षा चुनौतियों को रेखांकित करता है, जहाँ चीन-पाकिस्तान की सामरिक साझेदारी, बांग्लादेश की राजनीतिक दिशा और आतंकी नेटवर्क एक साथ सक्रिय हो सकते हैं। वहीं, भारत की 'पूरे राष्ट्र' वाली रक्षा अवधारणा, केवल पारंपरिक हथियारों पर निर्भर रहने की बजाय, तकनीक, नागरिक सुरक्षा ढांचे और सामूहिक संकल्प को भी युद्ध के निर्णायक तत्व मान रही है। बहरहाल, मुनीर के बयानों और जनरल द्विवेदी की चेतावनी में एक साझा संदेश छिपा है– अगला संघर्ष बहु-आयामी होगा। यह पूर्वी और पश्चिमी मोर्चों से लेकर सूचना और साइबर स्पेस तक फैला होगा। भारत के लिए यह समय केवल सैन्य तैयारी का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकजुटता, तकनीकी नवाचार और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को एक साथ साधने का है। क्योंकि इस बार, खतरा न सीमा जानता है, न

अमेरिका भारत टकराए-चीन भारत करीब आए-रूस ने ध्रुवीकरण के समीकरण बनाए- पश्चिमी विश्व के लिए भू- राजनीतिक भूचाल लाए

वैश्विक स्तरपर वैसे तो अमेरिका की अनेक देशों के साथ टकराहट, फिर उनके ऊपर आर्थिक सामाजिक प्रतिबंधों को लगाना, वैश्विक वित्तीय संस्थाओं का मुंह मोड़ना, जैसे अनेक किस्से हम सुनते रहते हैं, जिसके कारण वे देश आर्थिक खस्ताहाली के शिकार हो जाते हैं पर परंतु वर्तमान भारत अमेरिका के हालातों को देखते हुए,मैं एडवोकेट किशन सम्मुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र,आज 45 वर्षों के लेखन कार्य के इतिहास में व शायद भारत- अमेरिका दोस्ती के इतिहास में पहली बार इतनी टकराहट देख रहा हूं कि भारत पर 50 पर्सेंट टैरिफ लगाना व इसके बढ़ने की धमकी देना तथा फिर प्रतिबंधों की बारी भी आ सकती है,जिससे हमारे प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक, इलेक्ट्रिकल व फार्मेसी इत्यादि क्षेत्रों में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। जिसपर मेरा मानना है कि इस संभावित होने वाले प्रभाव पर रणनीतिक रूप से काम करना शुरू हो गया होगा? इसके साथ ही भारत का अपनी रणनीति कूटनीति पर भी काम शुरू हो गया होगा। अभी पीएम की रूसी राष्ट्रपति से बात हुई,संभवत वे नवंबर दिसंबर में भारत दौरे पर आ सकते हैं। वहीं हमारे पीएम 28 से 30 अगस्त 2025 को जापान, फिर 31 अगस्त से 1 सितंबर 2025 को एससीओ सम्मिट में चीन जाएंगे,जिसमें चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार भारतीय पीएम के आने को उत्सुकता है,व संभावना है कि इस टैरिफ रूपी आपदा को अवसर के रूप में बदलने की रणनीति हो सकती है, जिसने अमेरिका को भी सख्ते में डाल दिया है? क्योंकि मुझे ऐसा लग रहा है कि जिस सोच के साथ ट्रंप ने भारत पर इतनी भारी मात्रा में टैरिफ लगाया है, वह सोच शायद उल्टी पड़ रही है? और हो सकता है कि बातचीत को हथियार बनाकर टैरिफ को हटा भी दिया जाए तो आश्चर्य वाली बात नहीं होगी परंतु भारत तो अपनी तैयारी में लग गया है, अगर इस बार रूस चीन भारत ब्राजील ईरान इत्यादि देशों का ग्रुप बन गया तो, वैश्विक कूटनीति व भू-राजनीतिक समीकरण में एक नया मोड़ आ जाएगा जो पश्चिमी विश्व के लिए भू-राजनीतिक भूचाल ला सकताहै,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यमसे चर्चा करेंगे,सुनिए बाबूजी! यह भारत है-अमेरिका भारत डायरेक्ट टकराहट अंतर्राष्ट्रीय शक्ति संतुलन की दिशा को प्रभावित कर सकता है। साथियों बात अगर हम अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ का प्रभाव भू-राजनीतिक प्रभाव पर पड़ने की करें तो,अंतरराष्ट्रीय राजनीति में आर्थिक हथियारों का इस्तेमाल कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब यह हथियार दुनियाँ की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, यानी अमेरिका, चलाता है तो उसके प्रभाव वैश्विक होते हैं। हाल ही में अमेरिका ने भारत पर टैक्स लगाने का फैसला किया और साथ ही प्रतिबंध लगाने की संभावना के संकेत भी दिए। यह कदम न केवल भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव का कारण बन रहा है,बल्कि इसके पीछे एक और बड़ा खतरा छिपा है-भारत, चीन और रूस का संभावित ध्रुवीकरण। यह गठजोड़, यदि मजबूत हुआ, तो अमेरिका के लिए एक ऐसी भू-राजनीतिक चुनौती बन सकता है जो उसके दशकों से कायम आर्थिक और रणनीतिक प्रभुत्व को हिला देगी। अमेरिका और भारत के बीच हाल के समय में बढ़ता तनाव वैश्विक कूटनीति और भू- राजनीतिक समीकरणों में एक नए मोड़ की आहट देता है। अमेरिका -भारत डायरेक्ट मामले पर जो मतभेद उभर कर आए हैं, वे केवल द्विपक्षीय विवाद तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि यह पूरी अंतरराष्ट्रीय शक्ति-संतुलन की दिशा को प्रभावित कर सकते हैं। इस मुद्दे ने जहां भारत और अमेरिका के बीच अविश्वास की रेखा को गहरा किया है, वहीं दूसरी ओर यह चीन के लिए अवसर का द्वार खोलता दिख रहा है। अगर भारत और चीन अपने पुराने मतभेदों को किनारे रखकर किसी साझा रणनीति पर आगे बढ़ते हैं, तो पश्चिमी वर्ल्ड की राजनीतिक-आर्थिक बुनियाद पर गहरा असर पड़ सकता है। साथियों बात अगर हम अमेरिका टकराव की अमेरिका का सबसे बड़ा राजनीतिक दुष्परिणाम होने की करें तो,भारत पर लगाए गए अमेरिकी टैक्स का असर केवल व्यापारिक संतुलन तक सीमित नहीं रहेगा। यह एक ऐसा संदेश है जो अमेरिकी नीति-निर्माताओं की सोच को दर्शाता है-वे किसी भी देश के साथ अपने हितों के विरुद्ध जाने पर कठोर आर्थिक कदम उठा सकते हैं।लेकिनभारत जो पिछले कुछ वर्षों में न केवल वैश्विक दक्षिण का नेतृत्व करने की स्थिति में आया है, बल्कि पश्चिमी देशों के लिए भी एक रणनीतिक साझेदार बनकर उभरा है, इस तरह के दबाव को आसानी से स्वीकार करने वाला नहीं है। भारत की आर्थिक नीतियों और रणनीतिक स्वायत्तता पर जोर देने की प्रवृत्ति अमेरिका की उम्मीदों से मेल नहीं खाती, और यही टकराव की जड़ है।अमेरिका के इस कदम का सबसे बड़ा रणनीतिक दुष्परिणाम यह हो सकता है कि भारत और चीन-दोनों एशियाई दिग्गज, जिनके बीच पिछले वर्षों में सीमा विवाद और भू- राजनीतिक तनाव रहे हैं -आर्थिक और रणनीतिक मुद्दों पर एक साझा मंच पर आ सकते हैं। चीन पहले से ही अमेरिका के टैरिफ और प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, और वह हर उस साझेदार की तलाश में है जो उसकी अमेरिका-विरोधी रणनीति को मजबूती दे सके। यदि भारत, अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए, अमेरिका के दबाव से निकलकर चीन के साथ कुछ क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाता है, तो यह अमेरिकी रणनीति के लिए बड़ा झटका होगा जिससे उबरने में उसे वक्त लगेगा। साथियों बात अगर हम भारत रूस पहलू को नजरअंदाज नहीं करने की करें तो, रूस और भारत के ऐतिहासिक रूप से मजबूत संबंध है,चाहे वह रक्षा सौदे हों, ऊर्जा व्यापार हो या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पारस्परिक समर्थन। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस पहले से ही अमेरिका और यूरोपीय प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, और उसने चीन के साथ अपना आर्थिक और रणनीतिक तालमेल बढ़ा लिया है। यदि भारत भी इस त्रिकोण में सक्रिय रूप से शामिल हो जाता है, तो भारत-चीन-रूस का यह ध्रुवीकरण न केवल एक मजबूत आर्थिक शक्ति बन सकता है, बल्कि एक वैकल्पिक वैश्विक शक्ति केंद्र के रूप में उभर सकता है, जो अमेरिकी नेतृत्व वाली पश्चिमी व्यवस्था को चुनौती देगा।इस संभावित गठजोड़ के आर्थिक प्रभाव गहरे होंगे। भारत, चीन और रूस मिलकर वैश्विक ऊर्जा संसाधनों, विनिर्माण क्षमता और तकनीकी विकास के बड़े हिस्से पर नियंत्रण रखते हैं। यदि ये तीनों देश आपसी व्यापार में अमेरिकी डॉलर के बजाय स्थानीय मुद्राओं या वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों का उपयोग बढ़ाते हैं, तो यह अमेरिकी डॉलर की वैश्विक वर्चस्व को कमजोर कर सकता है। अमेरिका की आर्थिक ताकत का एक बड़ा आधार उसकी मुद्रा की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता है, और इस पर चोट लगना उसके लिए सबसे बड़ी भू-आर्थिक चुनौती होगी।राजनीतिक और सामरिक दृष्टि से भी यह ध्रुवीकरण खतरनाक हो सकता है। अमेरिका ने दशकों से यह सुनिश्चित किया है कि भारत और चीन के बीच विश्वास की कमी बनी रहे, ताकि एशिया में कोई संयुक्त शक्ति उसके हितों को चुनौती न दे सके। लेकिन अगर आर्थिक दबाव और व्यापारिक युद्ध भारत को अमेरिका से दूर ले जाते हैं, तो वह मजबूरी में ही सही, चीन और रूस के साथ कुछ क्षेत्रों में सहयोग का रास्ता चुन सकता है। यह सहयोग ऊर्जा सुरक्षा, सैन्य तकनीक, और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समन्वित मतदान तक दृढ़ता से फैल सकता है। साथियों बात अगर हम अमेरिका की मौजूदा विदेश नीति अक्सर अल्पकालिक रणनीतिक लक्ष्यों पर केंद्रित दिखाई देने की करें तो, दीर्घकालिक भू-राजनीतिक परिणामों का पर्याप्त आकलन नहीं किया जाता। भारत पर टैक्स और संभावित प्रतिबंध लगाने का निर्णय भी इसी श्रेणी में आता है। अमेरिका सोचता है कि आर्थिक दबाव डालकर वह भारत को अपने शर्तों पर व्यापार समझौते करने के लिए मजबूर कर सकता है, लेकिन वह यह भूल रहा है कि भारत अब एक ऐसी अर्थव्यवस्था है जो अपनी वैश्विक भूमिका और प्रतिष्ठा के प्रति बेहद सजग है, और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी स्वायत्त पहचान बनाए रखना चाहता है।भारत की विदेश नीति मल्टी-अलाइनमेंट यानी बहु-संबंधों की नीति पर आधारित है,जहां वह विभिन्न शक्तियों के साथ अलग-अलग मुद्दों पर साझेदारी करता है। यदि अमेरिका के साथ तनाव बढ़ता है, तो भारत के पास चीन और रूस के साथ सहयोग बढ़ाने का विकल्प हमेशा रहेगा। ऐसे में, भारत-चीन-रूस का एक सामरिक और आर्थिक ध्रुव बनना, भले ही वह पूर्ण गठबंधन न हो, लेकिन इतना पर्याप्त होगा कि अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए यह एक गंभीर चुनौती बन जाए।अंततः, अमेरिका को यह समझना होगा कि भारत पर टैक्स लगाना और प्रतिबंधों की धमकी देना केवल एक द्विपक्षीय विवाद नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी कड़ी हो सकती है जो वैश्विक शक्ति- संतुलन को बदल दे। भारत, चीन और रूस का संभावित ध्रुवीकरण एक नए शीत युद्ध जैसी स्थिति पैदा कर सकता है, जहां अमेरिका को न केवल सैन्य और कूटनीतिक मोर्चे पर, बल्कि आर्थिक और वित्तीय मोर्चे पर भी एक साथ कई विरोधियों का सामना करना पड़ेगा। यह वह स्थिति है जिससे बचने के लिए अमेरिका को अपने कदमों को बहुत सावधानी से तौलना होगा, क्योंकि आज की जुड़ी हुई वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक गलती का असर सीमाओं से बहुत दूर तक फैल सकता है।

सम्पादकीय...

उत्तरकाशी की त्रासदी : एक चेतावनी

भारत के पहाड़ी क्षेत्र, विशेष रूप से हिमालयी राज्यों जैसे उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश, प्राकृतिक सौंदर्य और जैव-विविधता के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध हैं। ये क्षेत्र न केवल पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं, बल्कि गंगा, यमुना और अन्य प्रमुख नदियों का उद्गम स्थल भी हैं, जो देश की जीवनरेखा हैं। हालांकि, हाल के वर्षों में इन क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति और तीव्रता ने गंभीर चिंता पैदा की है। उत्तरकाशी में हाल ही में भीषण बाढ़ और मलबे के प्रवाह ने एक बार फिर से यह सवाल उठाया है कि क्या हम अपने पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों के साथ खिलवाड़ तो नहीं कर रहे हैं ? यह आपदा, जो भगीरथी पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र (बीईएसजेड) में हुई, न केवल प्राकृतिक कारणों से बल्कि अवसंरचना परियोजनाओं के कुप्रबंधन और पर्यावरणीय असंतुलन के कारण और भी विनाशकारी बन गई। यह समय है कि हम इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करें और तत्काल कार्रवाई करें। 5 अगस्त 2025 को उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में एक बादल फटने की घटना ने भारी तबाही मचाई। खीर गंगा नदी के जलग्रहण क्षेत्र में हुई इस घटना ने गांव के घरों, होटलों, दुकानों और सड़कों को तहस-नहस कर दिया।चार लोगों की मौत हो गई और 50 से 100 लोग लापता हो गए। यह आपदा भगीरथी पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र में हुई, जो 2012 में गंगा नदी की पारिस्थितिकी और जलस्रोतों की सुरक्षा के लिए अधिसूचित किया गया था। विशेषज्ञों का मानना है कि इस क्षेत्र में अनियंत्रित निर्माण कार्य, जैसे कि नदी के बाढ़ क्षेत्रों पर होटल और हेलीपैड का निर्माण, ने इस आपदा को और अधिक गंभीर बना दिया। उत्तरकाशी की यह घटना कोई अपवाद नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बार-बार बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाएं सामने आई हैं। 2013 की केदारनाथ बाढ़, जिसमें 5,700 से अधिक लोग मारे गए थे और 2021 की चमोली बाढ़, जिसमें 200 से अधिक लोग मारे गए या लापता हो गए, ऐसी त्रासदियों के उदाहरण हैं। इन आपदाओं का एक प्रमुख कारण जलवायु परिवर्तन है, जो हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियरों के पिघलने और बादल फटने की घटनाओं को बढ़ा रहा है। लेकिन इसके साथ-साथ मानवीय गतिविधियां, विशेष रूप से अवसंरचना परियोजनाओं का गलत प्रबंधन, इन आपदाओं की तीव्रता को और बढ़ा रहा है। हिमालयी क्षेत्र की भूवैज्ञानिक संरचना अत्यंत नाजुक है। यह क्षेत्र टेक्टोनिक गतिविधियों के कारण भूकंपीय रूप से सक्रिय और भूस्खलन के लिए अतिसंवेदनशील है। फिर भी, चारधाम परियोजना जैसे बड़े पैमाने की सड़क निर्माण परियोजनाएं, हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स और अनियंत्रित पर्यटन ने इस क्षेत्र की स्थिरता को और कमजोर किया है। उत्तरकाशी में चारधाम परियोजना के तहत धरासू-गंगोत्री खंड का चौड़ीकरण और हिना-टेखला के बीच प्रस्तावित बायपास, जिसमें 6,000 देवदार के पेड़ों को काटने की योजना है, पर्यावरणविदों के लिए चिंता का विषय रहा है। चार धाम परियोजना को लेकर सुप्रीम कोर्ट में कई कानूनी चुनौतियां सामने आई हैं, क्योंकि यह परियोजना पर्यावरणीय खतरों को बढ़ा रही है। विशेषज्ञों ने बार-बार चेतावनी दी है कि सड़क चौड़ीकरण के लिए पहाड़ों की कटाई, वनों की अंधाधुंध कटाई और नदी के किनारों पर निर्माण कार्य इस क्षेत्र को और अधिक अस्थिर बना रहे हैं। 2023 में सिल्क्यारा सुरंग प्रकरण ने भी यही दिखाया कि पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) के बिना परियोजनाओं को मंजूरी देना कितना खतरनाक हो सकता है। इसी तरह, हिमाचल प्रदेश में शिमला के शोघी-धल्ली राजमार्ग परियोजना के लिए पहाड़ों की कटाई ने भूस्खलन के खतरे को बढ़ा दिया है। शिमला, जो कभी 30,000 लोगों के लिए बनाया गया था, अब 300,000 लोगों और लाखों पर्यटकों का बोझ सह रहा है। कुल्लू और मनाली जैसे पर्यटन स्थल भी अनियंत्रित निर्माण और पर्यटकों की भीड़ के कारण पर्यावरणीय संकट का सामना कर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन ने हिमालयी क्षेत्र में आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता को बढ़ा दिया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अनुसार, 1988 से 2023 तक उत्तराखंड में 12,319 भूस्खलन हुए, जिनमें से 1100 अकेले 2023 में दर्ज किए गए। ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना और ग्लेशियल झीलों का विस्तार ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (जीएलओ एफ) का खतरा बढ़ा रहा है। उत्तरकाशी की हालिया बाढ़ में भी विशेषज्ञों ने जीएलओएफ की संभावना जताई है। पर्यटन उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख हिस्सा है। 2023 में चारधाम यात्रा में 56 लाख से अधिक पर्यटक आए, जिसके कारण होटल, लॉज और सड़कों का निर्माण तेजी से हुआ। हालांकि, यह अनियंत्रित निर्माण नदी किनारों और अस्थिर ढलानों पर किया गया, जिसने प्राकृतिक प्रतिरोधों को नष्ट कर दिया। जोशीमठ में 2023 में 700 से अधिक घरों में दरारें आ गईं, क्योंकि यह शहर प्राचीन भूस्खलन मलबे पर बना है और वहां टपकेश्वर विष्णुगढ़ जलविद्युत परियोजना और चारधाम सड़क परियोजना ने इसके ढलानों को अस्थिर कर दिया। उत्तरकाशी की त्रासदी और हिमाचल-उत्तराखंड में बार-बार होने वाली आपदाएं यह स्पष्ट करती हैं कि अब केवल चर्चा पर्याप्त नहीं है। हमें तत्काल और ठोस कदम उठाने होंगे। बीईएसजेड जैसे नियमों को सख्ती से लागू करना होगा।

ऑपरेशन सिन्दूर : रणनीतिक कौशल

ऋचा शर्मा की यह पंक्तियां ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान भारतीय सेना के शौर्य को समर्पित हैं। भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने बैंगलुरु में एक कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ऑपरेशन सिन्दूर के बहुत से पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने मई में ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान पाकिस्तान के पांच लड़ाकू जेट और एक बड़े एयरक्राफ्ट को मार गिराने की जानकारी दी और साथ ही यह भी कहा कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष के दौरान रूस से लिए गए एस-400 गेम चेंजर साबित हुआ। वायुसेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिन्दूर की सफलता का श्रेय केन्द्र सरकार की राजनीतिक इच्छा शक्ति को देते हुए कहा कि सशस्त्र बलों पर कोई पाबंदी या दबाव नहीं था। हमें योजना बनाने और क्रियान्वित करने की पूरी आजादी थी। उन्होंने युद्ध विराम करने के फैसले को भी एक अच्छा निर्णय बताया। समूचे देश को भारतीय सेना पर गर्व है क्योंकि जब-जब पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया है तब-तब भारतीय सेना ने उसे करारा जवाब दिया है। ऑपरेशन सिन्दूर अभूतपूर्व रहा उसमें पहलगाम आतंकी हमले के आकाओं को सबक सिखाने और समर्थ भारत का रौद्र रूप निहित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो यहां तक कहा था कि उनकी रगों में लहू नहीं गर्म सिन्दूर बह रहा है। जो सिन्दूर मिटाने निकले थे उन्हें मिट्टी में मिलाया है। जब सिन्दूर बारूद बन जाता है तो उसके क्या नतीजे होते हैं यह दुश्मन ने देख लिया है। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने भी पाकिस्तान के दुष्प्रचार की पोल खोलते हुए ऑपरेशन सिन्दूर को समझाने के लिए शतरंज का उदाहरण दिया। जनरल ने कहा कि हमें नहीं पता था कि दुश्मन की अगली चाल क्या होगी और फिर हम आगे क्या करने वाले हैं। हम शतरंज की चालें चल रहे थे। कहीं हम उन्हें शह और मात दे रहे थे और कहीं हम जान जोखिम में डालकर आगे बढ़ रहे थे। भारतीय सेना ने पाकिस्तान की रणनीति पर अपने तरीके से मुकाबला किया। भारत का रणनीतिक संदेश बहुत महत्वपूर्ण था और वह संदेश था न्याय। ऑपरेशन सिन्दूर के तीन माह बाद एयरफोर्स चीफ एयरमार्शल एपी सिंह द्वारा रूस के एस-400 मिसाइल सिस्टम की तारीफ करने का अपना एक अर्थ है। उन्होंने विपक्षी दलों द्वारा उठाए जा रहे सवालों का जवाब तो दिया ही साथ ही अपने बयान के माध्यम से भारत ने अमेरिका सहित दुनिया को संदेश पहुंचा दिया है। अमेरिका ने भारत पर रूस से हथियार और तेल खरीदने के कारण 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। ऐसे वक्त में रूस के एस-400 कवच पर न सिर्फ भरोसा करना, बल्कि उसकी तारीफ करने के पीछे भारत का साफ संदेश यही है कि रूस के साथ उसके संबंध बेहद मजबूत हैं। रूस हमारा परखा हुआ मित्र है। युद्ध हो या शांतिकाल रूस हमेशा भारत के साथ खड़ा रहा है। एस-400 डिफेंस मिसाइल सिस्टम को रूस ने बनाया है और यह सतह से हवा में अपने टारगेट को मार गिरा सकती है। यह 400 किमी की दूरी और 30 किमी की ऊंचाई तक के किसी भी टारगेट (विमान, यूएवी, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल) को मार गिरा सकती है। एस-400 मिसाइल सिस्टम एक साथ 100 टारगेट को ट्रैक कर सकती है और 6 टारगेट को एक साथ निशाना बना सकती है। भारत ने हमेशा रूस जैसे रणनीतिक साझीदार पर ज्यादा भरोसा किया है। ट्रंप के टैरिफ दबाव के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से भी बातचीत की है और उसके एक दिन पहले ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने रूस के राष्ट्रपति से मुलाकात की थी। सैन्य सिद्धांतकार कहते हैं कि सैन्य रणनीति को हमेशा व्यापक राजनीतिक लक्ष्यों के साथ रेखांकित करना चाहिए। उनके सिद्धांतों को अगर आज के दौर में देखें तो सैन्य अभियान अनिश्चितता से भरे होते हैं, यानी वे किस लक्ष्य को हासिल करने के मकसद से शुरू किए जाते हैं और उनके नतीजे क्या निकलते हैं, इसके बारे में कुछ भी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता है। एक सेना किस प्रकार काम करती है और अपने उद्देश्यों को पाने के लिए क्या कदम उठाती, क्या रणनीति अपनाती है, उसी से युद्ध के मैदान में और बाहर उसकी सफलता या विफलता को आंका जाता है। हाल ही में भारतीय सेनाओं की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिन्दूर को ही देखा जाए तो इसे पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर और आतंक के कर्ताधर्ता पाकिस्तान की जमीन पर मौजूद आतंकवादी संगठनों के विरुद्ध शुरू किया गया था।

ऑपरेशन सिंदूर का पहला लक्ष्य वहां के आतंकी ठिकानों और ट्रेनिंग कैंपों को निशाना बनाकर आतंक की रीढ़ तोड़ना था। इसके जवाब में पाकिस्तान ने भारत पर हवाई हमले किए और भारत के नागरिक व सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर मिसाइल व ड्रोन्स दागे। ऐसा करके पाकिस्तान ने कहीं न कहीं जल्दबाजी दिखाई और असंयमित सैन्य कार्रवाई की।

उसकी इस हरकत के जवाब में भारतीय सेनाओं ने 9 एयरबेस और उनकी रडार प्रणाली और आतंकी ठिकानों को 22 सैकेंड में तबाह कर दिया। भारतीय सेना ने संतुलन और संयम से कार्रवाई कर एक लक्ष्मण खींच दी और दुश्मन को बता दिया कि अगर इसे पार किया गया तो वह पाकिस्तान को तबाह कर देगा। भारतीय सेना ने युद्ध संचालन के लिहाज से युद्ध सिद्धांतों का भी पालन किया। भारत ने किसी नागरिक ठिकानों को निशाना न बनाते हुए ऐसी रणनीति से काम किया कि उसे संभालने का मौका नहीं दिया। भारतीय सेना ने एक न्यू नार्मल यानि एक नया मापदंड स्थापित किया और यह दिखाया कि सीमापार आतंकवाद कुचलने के लिए वह किस स्तर पर जाकर सैन्य कार्रवाई को अंजाम दे सकता है। भारतीय सेना ने अपने रणनीतिक कौशल से न केवल अपनी सुरक्षा की बल्कि कुछ सैकेंड में ही पाकिस्तान को धूल चटा दी।

उइगर मुसलमानों पर पाकिस्तान का दोहरा मापदंड

पाकिस्तान लंबे समय से कश्मीर से लेकर फिलिस्तीन तक के मामले में दुनियाभर में मुसलमानों के हितों के रक्षक के रूप में अपनी छवि बनाए हुए है और उत्पीड़न के शिकार लोगों के पक्ष में खड़ा होने का दावा करता है। हालांकि, शिनजियांग (पूर्वी तुर्किस्तान) में उइगर मुसलमानों पर चीन की सरकार द्वारा किए जा रहे व्यवस्थित अत्याचार पर उसकी गहरी चुप्पी को देखने पर उसकी यह स्वघोषित भूमिका खोखली नजर आती है। यूं तो वह भारत और अन्य जगहों पर होने वाले मानवाधिकारों के कथित उल्लंघनों की मुखर निंदा करता है लेकिन उइगरों के मुद्दे पर उसकी निष्क्रियता मुसलमानों के मानवाधिकारों के प्रति वास्तविक चिंता के बजाय भू-राजनीतिक स्वार्थों से प्रेरित उसके स्पष्ट दोहरे मापदंड को दर्शाती है। चीन के शिनजियांग प्रांत में रहने वाले तुर्क मुस्लिम अल्पसंख्यक उइगर, निगरानी एवं नजरबंदी के आधुनिक दुनिया के सबसे व्यापक सरकारी अभियानों में से एक के शिकार हैं। वैश्विक मानवाधिकार संगठनों की रिपोर्ट, उपग्रहों से हासिल तस्वीरें और पीड़ितों के बयान एक भयावह तस्वीर पेश करते हैं। कुल दस लाख से अधिक उइगर मुसलमान तथाकथित पुनर्शिक्षा शिविरों में बंद हैं, जहां उन्हें वैचारिक प्रशिक्षण, जबरन श्रम, यौन शोषण और उनकी धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को व्यवस्थित रूप से मिटाने की कवायदों का सामना करना पड़ता है। मस्जिदें ढहा दी गई हैं, कुरान पढ़ने को अपराध घोषित कर दिया गया है, रमजान के दौरान रोजे रखने पर रोक लगा दी गई है और इस्लामी नामों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। फिर भी वैश्विक मुस्लिम समुदाय जहां चिंता व्यक्त कर रहा है, वहीं पाकिस्तान की सरकार अजीबोगरीब तरह से उदासीन बनी हुई है पाकिस्तान की चुप्पी के पीछे अरबों डॉलर वाला चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) है। यह गलियारा चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) की एक प्रमुख परियोजना है। आर्थिक अस्थिरता से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए चीन से आने वाला निवेश एक जीवन रेखा के समान है। बुनियादी ढांचे के विकास से लेकर ऋण जैसे वित्तीय सहयोग और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कूटनीतिक संरक्षण ने बीजिंग के प्रति इस्लामाबाद की वफादारी सुनिश्चित की है। इस आर्थिक निर्भरता ने पाकिस्तान को मुसलमानों के अधिकारों के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारी को प्रभावी रूप से गिरवी रखने पर मजबूर कर दिया है। आर्थिक रिश्तों के खतरे में पड़ने के डर से, उसके द्वारा शिनजियांग में अपनाई जा रही बीजिंग की नीतियों की किसी भी आलोचना से परहेज किया जाता है। दरअसल, पाकिस्तान न केवल चुप रहा है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन द्वारा परोसी गई कहानियों का सक्रिय रूप से समर्थन और शिनजियांग में उसके 'आतंकवाद-विरोधी' उपायों की सराहना भी करता रहा है। कश्मीर में भारत की कार्रवाइयों के खिलाफ उसके आक्रामक अंतरराष्ट्रीय अभियान के बरक्स पाकिस्तान के इस रुख का विरोधाभास और भी अधिक स्पष्ट हो जाता है। पाकिस्तान अक्सर संयुक्त राष्ट्र, ओआईसी और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में कश्मीर का मुद्दा उठाता रहता है और खुद को कश्मीरी मुसलमानों का पैरोकार बताता है लेकिन जब बात उइगर मुसलमानों की आती है तो पाकिस्तान के कूटनीतिक प्रयास गायब हो हो जाते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार शास्त्री ने कन्दन ऑफसेट प्रिंटर्स, ए-9, साउथ पैंचशील एन्क्लेव, दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार शास्त्री, मो : 09582083548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2010/0882)

आर.एल. एकेडमी में संपन्न हुआ 'अभय टैलेंट हंट जीके प्रतियोगिता' 1067 विद्यार्थियों ने दिखाई ज्ञान की चमक

सलेमपुर।

नगर क्षेत्र के प्रतिष्ठित आर.एल. एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सोमवार को संस्था के संस्थापक एवं संस्थापक-प्रधानाचार्य स्वर्गीय अभय कुमार श्रीवास्तव की स्मृति में आयोजित अभय टैलेंट हंट जीके प्रतियोगिता का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। यह प्रतियोगिता प्रतिवर्ष अगस्त माह में उनकी पुण्यस्मृति में आयोजित की जाती है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी सलेमपुर दिशा श्रीवास्तव, संस्था के संरक्षक अनिल कुमार श्रीवास्तव एवं निदेशक संदीप कुमार श्रीवास्तव ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन, पूजन और स्वर्गीय रामजी लाल श्रीवास्तव एवं स्वर्गीय अभय कुमार श्रीवास्तव के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया। इस बार की प्रतियोगिता में कक्षा 3 से कक्षा 12 तक के 1067 छात्रों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता तीन वर्गों में आयोजित हुई–किड्स ग्रुप (कक्षा 3-5),

जूनियर ग्रुप (कक्षा 6-8) और सीनियर ग्रुप (कक्षा 9-12)। प्रत्येक वर्ग के प्रथम स्थान प्राप्त छात्रों को साइकिल, द्वितीय स्थान पर रहे छात्रों को स्टैंड फैन, तृतीय स्थान पर रहे छात्रों को प्रेस एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा, प्रत्येक वर्ग के 30 बच्चों (कुल 90) को सांत्वना पुरस्कार और सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट ऑफ पार्टिसिपेशन आगामी 19 अगस्त को स्वर्गीय अभय कुमार श्रीवास्तव की पुण्यतिथि पर आयोजित समारोह में प्रदान किए जाएंगे। अपने आशीर्वचन में संरक्षक अनिल कुमार श्रीवास्तव ने विद्यालय के 25वें वर्ष में प्रवेश पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय न केवल शैक्षणिक गुणवत्ता में, बल्कि बच्चों को भविष्य की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी तैयार करने में प्रतिबद्ध है। उन्होंने बच्चों को बदलते प्रतियोगी माहौल में सजग एवं तैयार रहने की प्रेरणा दी। मुख्य अतिथि एसडीएम दिशा श्रीवास्तव ने कहा कि सामान्य अध्ययन प्रतियोगी परीक्षाओं की रीढ़ है और विद्यालय द्वारा छात्रों के छात्रजीवन में ही इस तरह की प्रतियोगिता कराना सराहनीय है। उन्होंने बताया कि सामान्य अध्ययन बच्चों के ज्ञान और व्यक्तित्व विकास, दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और यह पहल उनके सर्वांगीण विकास में सहायक होगी। निदेशक संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों को सामान्य अध्ययन के महत्व से अवगत कराना और भविष्य की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उनका मनोबल बढ़ाना है। उन्होंने स्वर्गीय रामजी लाल श्रीवास्तव एवं स्वर्गीय अभय कुमार श्रीवास्तव के शिक्षा के प्रति समर्पण को विद्यालय की प्रेरणा बताया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका जेबा फातिमा ने किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार पांडे, प्राइमरी सेक्शन की इंचार्ज शगुन मिश्रा, शिक्षक पंकज यादव, के. खान, राजेश, अखिलेश, शोभनाथ, विश्वास मिश्रा, रत्नेश सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

एकडंगी रेगुलेटर पर मिला अज्ञात शव

पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद निकाला बाहर, दुर्गंध से इलाके में फैली सनसनी

नेबुआ नौरंगिया, कुशीनगर । खड्डा तहसील क्षेत्र के एकडंगी रेगुलेटर पर सोमवार को एक अज्ञात शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। शव की स्थिति इतनी खराब थी कि उसे पहचानना संभव नहीं था। सड़न और दुर्गंध के कारण आसपास का माहौल भयावह हो गया। दोपहर के समय कुछ राहगीर रेगुलेटर से गुजर रहे थे। तभी उनकी नजर पानी में तैरते एक शव पर पड़ी। पास जाकर देखने पर पता चला कि शव पूरी तरह फूल चुका है। शरीर का मांस जगह-जगह से गलने लगा था। बदबू के चलते लोग तुरंत वहां से दूर हो गए।घटना की सूचना तेजी से पूरे इलाके में फैल गई। इसके बाद एकडंगी चौराहा लगभग सुनसान हो गया। आमतौर पर भीड़भाड़ वाले इस चौराहे पर लोग रुकने से बचने लगे।मामले की जानकारी मिलते ही खड्डा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने शव को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन दुर्गंध और शव की स्थिति के कारण शुरूआती प्रयास असफल रहे। करीब आधे घंटे तक स्थिति को संभालने के बाद, आवश्यक सुरक्षा उपायों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला गया।शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के कपड़े और शारीरिक स्थिति से उसकी पहचान करना संभव नहीं हो पाया है। पुलिस ने आसपास के थानों को सूचना भेजकर हाल के दिनों में दर्ज गुमशुदगी मामलों की जानकारी मांगी है। जिससे मृतक की पहचान की जा सके। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा। फिलहाल यह भी जांच की जा रही है कि शव बहकर यहां किस स्थान से आया है। पुलिस मृतक की पहचान की कोशिश में जुटी है और मामले की जांच कर रही है।

200 मासूमों के भविष्य पर संकट, खंड शिक्षा अधिकारी की ताबड़तोड़ कार्रवाई

जौनपुर। शिक्षा व्यवस्था को ठेंगा दिखाकर बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले एक अवैध विद्यालय पर प्रशासन का डंडा चला। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल के मार्गदर्शन में खंड शिक्षा अधिकारी करंजाकला श्रवण कुमार यादव ने सोमवार को न्याय पंचायत मलहनी के ग्राम पंचायत जेठपुरा में छापेमारी कर कक्षा 1 से 5 तक चल रहे बिना मान्यता के विद्यालय को तत्काल सील कर दिया। इस अवैध संस्थान में करीब 200 बच्चे अध्ययनरत थे। मौके पर ही खंड शिक्षा अधिकारी ने नोटिस जारी कर कक्षाओं का संचालन रुकवाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि इन मासूम बच्चों के भविष्य के साथ गंभीर खिलवाड़ भी है। श्री यादव ने साफ चेतावनी दी कि जिले में किसी भी अवैध विद्यालय को बख्शा नहीं जाएगा। यदि कोई संस्था शिक्षा विभाग की मान्यता शर्तों का उल्लंघन करती पाई गई, तो उसके विरुद्ध भी इसी तरह कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि अपने बच्चों को केवल मान्यता प्राप्त विद्यालयों में ही दाखिला दिलाएं, ताकि उनके भविष्य को सुरक्षित बनाया जा सके।

भव्य तिरंगा यात्रा में उमड़ा देशभक्ति का ज्वार, भाजपा कार्यकर्ताओं से एक बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग

कुशीनगर।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत स्वतंत्रता दिवस से पहले सोमवार को कुशीनगर जिले के दस मण्डलों में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिसमें देशभक्ति का ज्वार नजर आया। तिरंगा यात्रा में न सिर्फ भाजपा नेता बल्कि बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी शामिल हुए। फाजिलनगर विधानसभा के फाजिलनगर मण्डल के तिरंगा यात्रा का नेतृत्व करते हुए जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों का हिस्सा था, बल्कि यह जनता में देशभक्ति, स्वच्छता और सामाजिक एकता के संदेश को फैलाने का भी एक प्रभावी माध्यम है। कहा कि हर नागरिक का कर्तव्य है, कि वह तिरंगे का सम्मान करे और इसे गर्व से फहराए। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से युवाओं और बच्चों में

देश के प्रति गर्व और समर्पण की भावना और मजबूत होती है।तिरंगे के सम्मान और स्वतंत्रता संग्राम के वीरों की याद को सहेजना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द ने बताया कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर तिरंगा अभियान का हिस्सा है, जो देशभर में एक साथ आयोजित हो रहा है कुशीनगर जनपद के सभी 34 मण्डलों में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। सोमवार को 10 मण्डलों में तिरंगा यात्रा निकाली गई शेष मण्डलों में 12 व 13 अगस्त को यात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि फाजिलनगर मण्डल में जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय,जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि राजेश जायसवाल तथा मण्डल अध्यक्ष रानाप्रताप सिंह, दुदही में किसान मोर्चा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राधेश्याम पाण्डेय, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि लल्लन गोंड व मण्डल अध्यक्ष अंजेश भारती,चौरा मण्डल में पूर्व विधायक गंगा सिंह कुशवाहा व मण्डल अध्यक्ष शेषनाथ मिश्र ने तिरंगा यात्रा का नेतृत्व किया। इसी तरह तमकुही राज विधानसभा के अमवा दीगर में जिला उपाध्यक्ष रमेश सिंह पटेल व पिछड़ा मोर्चा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष डॉ डीएन कुशवाहा, तमकुही राज मण्डल में पूर्व ब्लाक प्रमुख डॉ विजय राय व मण्डल अध्यक्ष मुन्नु मिश्रा, कुशीनगर विधानसभा के साखोपार मण्डल में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव,जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द व मण्डल अध्यक्ष किन्नरेश चौबे, कुबेर स्थान में जिला उपाध्यक्ष विजय कुमार शुक्ल व मण्डल अध्यक्ष बच्चा सिंह, झटा विधानसभा के झटा नगर मण्डल में पूर्व जिलाध्यक्ष जयप्रकाश शाही, मण्डल अध्यक्ष मुंशी सिंह व ऋषि त्रिपाठी,मोतीचक में पूर्व विधायक पवन केडिया, मण्डल अध्यक्ष चन्द्र पाल कन्नौजिया और रामकोला विधानसभा के रामकोला मण्डल में पूर्व विधायक मदन गोविंद राव, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सतीश चौधरी व मण्डल अध्यक्ष मनोहर गुप्ता के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई।

तिरंगा के सम्मान में अल्पसंख्यक समुदाय ने निकाली तिरंगा रैली

जौनपुर।

शासन के निर्देश के क्रम में हर घर तिरंगा अभियान के द्वितीय चरण में जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा कलेक्ट्रेट परिसर से शुरू होकर अम्बेडकर तिराहा होते हुए गांधी तिराहे पर समाप्त हुई। जिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और संविधा निर्माता डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया। रैली में मदरसा जामिया मोमिया लिलवनात सिपाह, मदरसा रफीकुल इस्लाम गौराबादशाहपुर, मदरसा हकिमुऊलूम बागेअख सिपाह, जनककुमारी इण्टर कालेज, टी.डी. कालेज, बीआरपी इण्टर कालेज, मुक्तेश्वर बालिका इण्टर कालेज सहित विभिन्न विद्यालयों द्वारा तिरंगा यात्रा में प्रतिभाग किया गया। तिरंगा यात्रा में प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, मदरसों के शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं, दिव्यांगजन, स्कूली छात्र

छात्राएं, एनसीसी कैडेट और उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण अजीविका मिशन विभाग द्वारा राष्ट्रध्वज के निर्माता, स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी, पिंगली वेंकैया के सम्मान में शामिल रहे जिसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाएं शामिल हुईं। इस दौरान जिलाधिकारी डा. दिनेश चन्द्र ने कहा कि आज जिला प्रशासन के तत्वाधान में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अर्न्तगत तिरंगे के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली गयी है। ÷शिराज-ए-हिंद÷ के नाम से प्रसिद्ध जनपद के सभी नागरिक राष्ट्र के प्रति सम्मान रखते हैं। तिरंगा रैली में जनपद के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भव्य रैली में हिस्सा लिया। रैली में विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र छात्राओं तथा शिक्षकगणों ने रैली में बढ़-चढ़कर भाग लेकर सन्देश दिया कि हम सब एक है तिरंगे के सम्मान में सब कुछ न्यौछावर कर देंगे और तिरंगे के सम्मान की रक्षा करेंगे। उन्होंने जनपदवासियों से अपील किया कि

वीर सपूतों के सम्मान में घरों पर तिरंगा अवश्य फहरायें: डीएम

13, 14 और 15 अगस्त को अपने घरों पर तिरंगा अवश्य लगाएँ, यह उन वीरों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिये। रैली में प्रतिभाग करने वाले दिव्यांगजन की सराहना करते हुए कहा कि जिस उत्साह और प्रेरणा के साथ दिव्यांगजन ने इस तिरंगा यात्रा में प्रतिभाग किया है। यह इनकी जिजीवीषा और सकारात्मक ऊर्जा तथा देश प्रेम को प्रदर्शित करता है। इसी क्रम में वनवासी बस्तियों में भी तिरंगा रैली निकाली गयी और फल एवं मिष्ठान का वितरण किया गया। हर तिरंगा अभियान अन्तर्गत हर घर स्वच्छता रैली निकाली गयी। साथ ही जनपद के परिषदीय विद्यालयों सहित समस्त विकास खण्डों में भी तिरंगा यात्रा निकाली गयी।

बक्शा क्षेत्र में निकाली गयी भव्य तिरंगा यात्रा

बक्शा, जौनपुर। स्थानीय विकास खण्ड क्षेत्र में तिरंगा यात्रा के निर्देशन में ग्राम पंचायत सचिवालय बक्शा से तिरंगा यात्रा निकाली गयी। यह पंचायत भवन से शुरू होकर बक्शा बाजार व थाना होते हुये पुन- ब्लाक पर आकर समाप्त हो गयी। बीडीओ बक्शा द्वारा कार्यक्रम का समापन कराया गया जहां उन्होंने अपने सम्बोधन से हर घर तिरंगा एवं हर घर स्वच्छता अभियान को सार्थक बनाने के लिये प्रेरित किया। साथ ही राष्ट्रप्रेम के भावना सदा बनाए रखने के लिये कहा। इस अवसर पर एडीओ पंचायत सहित सचिव विजयभान, लक्ष्मीचन्द, महेश तिवारी, उमेश कुमार, श्रीपति मौर्य, गौड़ गणेश, कमलेश खरवार, केशरी, नरेन्द्र ऑपरेटर सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

देश विरोधी ताकतों के दबाव में हैं राहुल गांधी, शिवराज ने ईसी पर आरोपों को लेकर कांग्रेस नेता पर कसा तंज

नई दिल्ली । केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को चुनाव आयोग पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आरोपों की कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि वह राष्ट्र-विरोधी ताकतों के दबाव में है। एक पोस्ट शेयर करते हुए, चौहान ने कहा कि इंडिया ब्लॉक लोकतंत्र को बदनाम कर रहा है और संवैधानिक संस्थाओं के साथ छेड़छाड़ कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने लिखा, राहुल गांधी जी राष्ट्र-विरोधी ताकतों के दबाव में हैं। वह और इंडिया ब्लॉक लोकतंत्र को बदनाम कर रहे हैं, उसकी धज्जियाँ उड़ा रहे हैं और संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा के साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं। राहुल गांधी के पिछले आरोपों को याद करते हुए, चौहान ने कहा कि ईवीएम के बाद, वह बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठाने लगे हैं और उन पर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि राहुल गांधी बार-बार झूठ बोल रहे हैं और अराजकता फैलाना चाहते हैं। उन्होंने चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट और कैग को बदनाम किया है। उन्होंने सेना के पराक्रम पर सवाल उठाए और जब सेना ने तथ्य पेश किए, तो उन्हें चुप करा दिया गया। उन्होंने बिना सबूत के ईवीएम पर सवाल उठाए, फिर सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद ईवीएम को छोड़ दिया और अब स्टॉक पर आ गए हैं। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री ने कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और अन्य राज्यों में विपक्ष को चुनावी जीत पर सवाल उठाए। शिवराज ने आगे कहा कि मैं राहुल जी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन के नेताओं से पूछना चाहता हूँ - क्या कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस मतदाता सूची में अनियमितताओं के कारण जीती? - क्या तेलंगाना, तमिलनाडु और झारखंड में चुनाव आयोग की गलतियों के कारण सरकारें बनीं? - क्या राहुल जी, प्रियंका जी और अखिलेश यादव जी भी मतदाता सूची में अनियमितताओं के कारण चुनाव जीते? शिवराज सिंह चौहान की यह टिप्पणी बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान मतदाता धोखाधड़ी के आरोपों को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ सोमवार को इंडिया ब्लॉक के विरोध मार्च के बीच आई है। इससे पहले आज, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और इंडिया ब्लॉक के अन्य सांसदों को दिल्ली पुलिस ने विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत और टीएमसी सांसद सागरिका घोष भी पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए लोगों में शामिल थे। हिरासत में लिए गए सांसदों को संसद मार्ग पुलिस स्टेशन ले जाने के लिए एक बस में बिठाया गया।

एसआईआर को लेकर ईसी का दावा, अब तक किसी भी पार्टी ने मतदाता सूची पर दर्ज नहीं कराई आपत्ति

नई दिल्ली । भारत निर्वाचन आयोग ने कहा है कि चुनावी राज्य बिहार में संशोधित मसौदा मतदाता सूची में मतदाताओं के नाम जोड़ने या हटाने के संबंध में राजनीतिक दलों ने अभी तक कोई आपत्ति या दावा दर्ज नहीं कराया है, क्योंकि सोमवार सुबह 11 बजे तक ऐसा कोई दावा नहीं आया है। आज अपना दैनिक बुलेटिन जारी करते हुए, चुनाव आयोग ने कहा कि 1 अगस्त से 11 अगस्त तक, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के 1,60,813 से अधिक बूथ स्तरीय एजेंटों ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास के तहत गणना प्रपत्र एकत्र किए जाने के बाद तैयार किए गए मसौदा रोल पर कोई आपत्ति या दावा दर्ज नहीं किया है। हालाँकि, इसी अवधि के दौरान 10,570 से ज़्यादा मतदाताओं ने अपने दावे और आपत्तियाँ प्रस्तुत कीं, जिनमें से 127 से ज़्यादा आपत्तियों का निपटारा सात दिनों के बाद किया गया। चुनाव आयोग को 54,432 फॉर्म 6 भी प्राप्त हुए हैं, जो 18 वर्ष की आयु के बाद नए मतदाताओं के पंजीकरण से संबंधित है। चुनाव आयोग ने अपने दैनिक बुलेटिन में कहा है कि एसआईआर के आदेशों के अनुसार, 1 अगस्त, 2025 को प्रकाशित होने वाली मसौदा सूची से किसी भी नाम को ईआरओ/एईआरओ द्वारा जाँच करने और निष्पक्ष एवं उचित अवसर दिए जाने के बाद स्पष्ट आदेश पारित किए बिना नहीं हटाया जा सकता। बिहार एसआईआर की विपक्षी दलों द्वारा बार-बार आलोचना की गई है, इस संशोधन को असंवैधानिक बताया गया है और आरोप लगाया गया है कि किसी खास राजनीतिक दल को फायदा पहुँचाने के लिए मतदाता सूची में हेराफेरी की जा सकती है। विपक्ष संसद के अंदर और बाहर एसआईआर का विरोध कर रहा है, और सोमवार को संसद से अशोक रोड स्थित चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च निकालने की भी योजना बना रहा है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया है कि सभी बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) एक ही कमरे में फर्जी फॉर्म भर रहे हैं।

किश्तवाड़ की गुफा में छिपे आतंकी, सेना का ऑपरेशन दूसरे दिन भी जारी

जम्मू । किश्तवाड़ जिले के डूल इलाके में आतंकियों के खिलाफ सेना का अभियान दूसरे दिन में प्रवेश कर गया है। इलाके में एक गुफा में छिपे आतंकियों को सुरक्षाबलों ने घेर लिया है और मुठभेड़ जारी है। लगातार गोलीबारी और धमाकों की आवाजें सुनाई दे रही हैं, जिससे इलाके में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। यह संयुक्त ऑपरेशन भारतीय सेना की 17 राष्ट्रीय राइफल्स, 2 पैरा स्पेशल फोर्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) द्वारा चलाया जा रहा है। अब तक की जानकारी के अनुसार, दो स्थानीय आतंकवादी घिरे हुए हैं, जो पिछले आठ वर्षों से इस इलाके में सक्रिय थे। सूत्रों के मुताबिक, मुठभेड़ में एक आतंकी जिसकी पहचान रियाज के रूप में की जा रही है उसकी घायल होने की आशंका है।

श्रावस्ती में एक ही बाइक पर सवार छह में से पांच लोगों की सड़क हादसे में मौत

श्रावस्ती । हरदत्तनगर गिरट क्षेत्र में सोमवार की सुबह शंकरपुर-नवाबगंज मार्ग पर बेगमपुर गांव के पास अनियंत्रित बाइक व मिक्सर मशीन जोड़ कर जा रहे ट्रैक्टर में आमने-सामने से टक्कर हो गई। इसमें एक ही बाइक पर सवार पिता-पुत्री, बहन व दो भांजियों की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल पत्नी का इलाज संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा में चल रहा है। बहराइच के रिसिया क्षेत्र के मंगलपुरवा गांव के विजय कुमार सुबह एक ही बाइक पर अपनी पत्नी सुनीता व एक वर्षीय बेटी मधु, बहन मंगलावती, भांजी नीतू व ज्ञानवती को बिठाकर बहन के ससुराल बहराइच जिले के रुपईडीहा क्षेत्र के मध्यनगरा गांव जा रहे थे। हरदत्तनगर गिरट क्षेत्र में शंकरपुर-नवाबगंज मार्ग पर बेगमपुर गांव के निकट बाइक को सामने से मिक्सर मशीन जोड़कर आ रहे ट्रैक्टर से जोरदार टक्कर हो गई। इससे विजय कुमार व उनकी बहन मंगलावती, भांजी ज्ञानवती व नीतू की मौके पर मौत हो गई तथा पत्नी सुनीता व बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। पुलिस टीम ने घायल मां-बेटी को इलाज के लिए पिकअप वाहन से संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा भेजकराया। यहां इलाज के दौरान मधु की भी मौत हो गई। मां का इलाज चल रहा है। हादसे की सूचना पाकर डीएम अजय कुमार द्विवेदी व एसपी ब्रह्मस्वरूप चौरसिया अस्पताल पहुंचे। घायल महिला का हालचाल जाना। चिकित्सकों से उपचार संबंधी जानकारी ली। इसके बाद डीएम व एसपी ने घटनास्थल बेगमपुर गांव पहुंचकर हादसे के कारणों की पड़ताल की।

सपा का लोकतंत्र में विश्वास दिखावा मात्र - सीएम योगी

लखनऊ ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा का लोकतंत्र में विश्वास केवल दिखावा है और इनसे सुरक्षा और विकास की उम्मीद नहीं की जा सकती। मानसून सत्र के पहले दिन सपा सदस्यों के हंगामे और नारेबाजी के बाद सदन को संबोधित करते हुए योगी ने सपा के कार्यकाल में व्यापारियों पर हुए अत्याचार और गुंडा टैक्स की याद दिलाते हुए कहा कि सपा का लोकतंत्र में विश्वास केवल दिखावा है। उन्होंने संभल, बहराइच और गोरखपुर में सपा की नकारात्मक राजनीति पर भी सवाल उठाए।

सपा की राजनीति को नकारात्मक: योगी

सीएम योगी ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को एक वरिष्ठ नेता बताते हुए कहा कि कुछ लोग उनके कंधे पर बंदूक रखकर गोली चला रहे हैं। उन्होंने कहा ''माता प्रसाद पांडेय जी, आप वरिष्ठ हैं। आपको अनावश्यक रूप से मोहरा बनाकर कुछ लोग आपके कंधे पर बंदूक रखकर निशाना साध रहे हैं। आपको ऐसा होने नहीं देना चाहिए। उन्होंने गोरखपुर के विरासत कॉरिडोर के मुद्दे पर सपा की राजनीति को नकारात्मक और विकास विरोधी करार दिया। गोरखपुर विरासत कॉरिडोर के सबसे पुराने बाजार, घंटाघर और गीताप्रेस जैसे ऐतिहासिक स्थानों को जोड़ने का काम करेगा। नेता प्रतिपक्ष से तीन दिन पहले गोरखपुर विरासत कॉरिडोर का निरीक्षण किया था। वहां के एक-एक व्यापारी से बात की। यह गोरखपुर का सबसे पुराना बाजार है, जहां कंजेशन और अवैध कब्जे की समस्या थी।

भाजपा सरकार विकास कराना चाहती है: योगी

मुख्यमंत्री ने कहा, सपा पर आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में इस क्षेत्र में कोई विकास कार्य नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सपा के समय में मासूम बच्चे हर साल इन्सेफेलाइटिस से मरते थे। हर साल 700 से 1500 बच्चों की मौत इन्सेफलाइटिस से होती थी। नेता प्रतिपक्ष के विधानसभा क्षेत्र और सिद्धार्थनगर जनपद में सैकड़ों बच्चे मरते थे, लेकिन आपने कुछ नहीं किया। स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास आपका एजेंडा कभी नहीं रहा। योगी ने कहा कि गोरखपुर के व्यापारियों ने माता प्रसाद पांडेय के दौरे का विरोध किया था, क्योंकि सपा के कार्यकाल में व्यापारियों को भय और गुंडा टैक्स का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी व्यापारी सपा के कार्यकाल में हुए शोषण को नहीं भूले हैं। योगी ने सपा पर विकास विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि चाहे संभल हो, बहराइच हो या गोरखपुर, सपा हर जगह नकारात्मक राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए की सरकार विकास कराना चाहती है, लेकिन सपा को यह बुरा लगता है।

मकबरे पर झंडा लगाने व पूजा करने को लेकर बवाल, तैनात की गई पुलिस फोर्स

फतेहपुर । संभल के बाद अब फतेहपुर के आबूनगर इलाके में मंदिर-मकबरे को लेकर विवाद ने तूल पकड़ लिया है। सोमवार सुबह ईदगाह परिसर में स्थित नवाब अब्दुल समद के मकबरे पर हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने भगवा झंडा लगा दिया। इसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया और देखते ही देखते वहां भारी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग एकत्र हो गए। हालात बिगड़ते देख दोनों समुदायों के बीच पथराव शुरू हो गया। प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए जिले के 10 थानों की फोर्स के साथ ही आसपास के जिलों बांदा और कौशांबी से अतिरिक्त फोर्स भी बुलाई। साथ ही 6 जिलों से एसडीएम स्तर के अधिकारियों को मौके पर रवाना किया गया है। सदर कोतवाली क्षेत्र के आबूनगर में घटना के बाद कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। सुबह करीब 10 बजे हिंदू संगठन मठ मंदिर संघर्ष समिति के कार्यकर्ता ईदगाह पहुंचे। उनका दावा था कि यह स्थल दरअसल ठाकुर जी का पुराना मंदिर है जिसे बाद में अतिक्रमण कर मकबरे में बदल दिया गया। पहले से ही मौके पर तैनात पुलिस ने उन्हें रोका, लेकिन संगठन के कुछ युवकों ने मकबरे की छत पर चढ़कर जबरन भगवा झंडा फहरा दिया और तोड़फोड़ की। इस घटना के बाद मुस्लिम समुदाय के हजारों लोग मौके पर जमा हो गए। देखते ही देखते दोनों पक्षों में तनातनी बढ़ गई और पथराव शुरू हो गया। उपद्रव की आशंका को देखते हुए पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। आसपास के इलाकों में बैरिकेडिंग लगाकर आवागमन नियंत्रित कर दिया गया।

ओडिशा में एक और लड़की ने खुद को लगाई आग, इलाज के दौरान हारी जिंदगी की जंग

भुवनेश्वर । ओडिशा के बरगढ़ जिले के एक गांव में खुद को आग लगाने वाली 13 वर्षीय स्कूली छात्रा ने सोमवार को बुर्ला के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। बरगढ़ जिले के प्रभारी बोलांगीर के एसपी अभिलाष जी ने बताया कि बुर्ला स्थित वीर सुरेंद्र साईं आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान में लड़की की मौत हो गई। लड़की की ओर से यह कदम क्यों उठाया गया? हम इसके कारणों को जांच कर रहे हैं।

ऐसी धमकियों के आगे हम नहीं झुकेंगे, आसिम मुनीर की न्यूक्लियर अटैक वाली गीदड़ भभकी पर एमईए की दो टूक

नई दिल्ली। पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने अमेरिका से खुली परमाणु धमकी दी है। एक कार्यक्रम को दौरान उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान को हिंदुस्तान के साथ जंग में वजूद का खतरा हुआ, तो हम आधी दुनिया अपने साथ ले डूबेंगे। पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर की इस टिप्पणी पर भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से दो टूक जवाब दिया गया। सोमवार को जारी किए गए आधिकारिक बयान में कहा गया कि हमारा ध्यान पाकिस्तानी सेना प्रमुख द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा के दौरान कथित तौर पर की गई टिप्पणियों की ओर आकर्षित किया गया है। परमाणु हथियार लहराना पाकिस्तान का पारंपरिक काम है। इस बयान में आगे कहा गया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय ऐसी टिप्पणियों में निहित गैरजिम्मेदारी के बारे में अपने निष्कर्ष निकाल सकता है, जो ऐसे राज्य में परमाणु कमान और नियंत्रण की अखंडता के बारे में अच्छी तरह से स्थापित सच्चि को भी मजबूत करता है जहां सेना आतंकवादी समूहों के साथ मिली हुई है। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया कि यह भी खेदजनक है कि ये टिप्पणियां एक मित्र तीसरे देश की धरती से की गई हैं। भारत पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि वह परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा। हम अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाते रहेंगे।

सीएम फडणवीस के भ्रष्ट मंत्रियों के खिलाफ कई जगह प्रदर्शन

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वे अपनी कैबिनेट में मौजूद भ्रष्ट मंत्रियों को बचा रहे हैं। ठाकरे का दावा है कि महायुति सरकार ने राज्य को विकास में आखिरी पायदान पर और भ्रष्टाचार में पहले स्थान पर पहुंचा दिया है। यह आरोप उन्होंने मुंबई में आयोजित एक विरोध प्रदर्शन के दौरान लगाया। मुंबई में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन का मकसद कथित भ्रष्ट मंत्रियों को पद से हटाना था। ठाकरे ने कहा कि पार्टी ने ऐसे ही विरोध पूरे राज्य में किए हैं और यह आंदोलन तब तक चलेगा जब तक इन मंत्रियों को बर्खास्त नहीं किया जाता। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि जनता तक महायुति के मंत्रियों की भ्रष्ट गतिविधियों की जानकारी पहुंचाएं। ठाकरे का आरोप है कि सरकार को सबूत सौंपने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। ठाकरे ने कई मंत्रियों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मंत्री योगेश कदम अपनी मां के नाम से डांस बार चला रहे हैं, जबकि मंत्री संजय शिरसाट के खिलाफ एक वीडियो में कथित रूप से कैश से भरा बैग दिखा। शिरसाट ने आरोपों को झूठा बताते हुए कहा कि बैग में केवल कपड़े थे। मंत्री माणिकराव कोकाटे पर विधान परिषद में रमी खेलने और किसानों पर असंवेदनशील टिप्पणी करने के आरोप हैं। वहीं, मंत्री संजय राठौड़ पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। ठाकरे ने कहा कि मुख्यमंत्री फडणवीस के पास इन मंत्रियों को हटाने की हिम्मत नहीं है, जबकि उनके पास बहुमत है। उन्होंने याद दिलाया कि 1995-99 में जब शिवसेना-भाजपा की सरकार थी, तब बाल ठाकरे ने भ्रष्टाचार के आरोप लगने पर पांच मंत्रियों से इस्तीफा ले लिया था। ठाकरे का कहना है कि अब की सरकार में ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। उन्होंने भाजपा मंत्री गिरीश महाजन का नाम कथित हनीट्रैप मामले में भी जोड़ा। ठाकरे ने केंद्र सरकार को भी आड़े हाथों लिया और पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि धनखड़ के इस्तीफे की कोई स्पष्ट वजह नहीं बताई गई और उनकी गुमशुदगी पर जानकारी दी जानी चाहिए।

पीएम मोदी के विपक्ष पर कसा तंज, कहा- कुछ लोग कोसी टावर को बिहार चुनाव के चश्मे से देखेंगे

नई दिल्ली । पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सांसदों के लिए नए फ्लैटों के उद्घाटन के दौरान विपक्ष पर तंज कसा। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ लोग सांसदों के लिए बने बहुमंजिला फ्लैटों के कोसी टावर को बिहार विधानसभा चुनावों के चश्मे से देखेंगे। बाबा खड़क सिंह मार्ग पर बने 184 नए टाइप-7 बहुमंजिला फ्लैटों के एक टावर का नाम बिहार की कोसी नदी के नाम पर है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि परिसर के चार टावरों के नाम कृष्णा, गोदावरी, कोसी और हुगली नदियों के नाम पर रखे गए हैं। मुझे संसद में अपने सहयोगियों के लिए आवासीय परिसर का उद्घाटन करने का सौभाग्य मिला। चार टावरों के नाम कृष्णा, गोदावरी, कोसी और हुगली हैं, जो भारत की चार महान नदियां हैं। कुछ लोगों को कोसी नाम के टावर से असहजता महसूस होगी। वे इसे नदी के रूप में नहीं, बल्कि बिहार चुनावों के चश्मे से देखेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि अब दिल्ली में सांसदों को रहने में आसानी होगी। सांसदों के लिए घरों की उपलब्धता बढ़ेगी। मैं इन फ्लैटों के निर्माण में लगे इंजीनियरों और कर्मचारियों को बधाई देता हूं।

हमारे सांसदों को नए आवासों में कोई परेशानी नहीं होगी। वे अपने काम पर ज्यादा ध्यान दे पाएंगे। इन बहुमंजिला इमारतों में 180 से अधिक सांसद एक साथ रह सकेंगे। 2014 से अब तक 350 सांसद आवास बनाए जा चुके हैं। पीएम ने कहा कि जैसा कि मैंने पहले कहा था कि किराये के भवनों में चलने वाले मंत्रालयों के किराये पर सरकार को सालाना लगभग 1500 करोड़ रुपये का खर्च आता था। इसी तरह पर्याप्त संख्या में सांसद आवासों के अभाव में सरकारी खर्च बहुत ज्यादा था। सांसद आवासों की कमी के बावजूद 2014 से 2024 तक कोई नया आवास नहीं बनाया गया। हमने इस काम को एक अभियान की तरह लिया। 2014 से अब तक लगभग 350 सांसद आवास बनाए जा चुके हैं।

पीएम मोदी ने सिंदूर का पौधा लगाया

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में बाबा खड़क सिंह मार्ग पर बने 184 नए टाइप-7 बहुमंजिला फ्लैटों का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने सिंदूर का पौधा भी लगाया। साथ ही फ्लैटों के पीछे काम करने वाले श्रमजीवियों से भी बातचीत की। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य और ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, और केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू भी उपस्थित थे।

हर फ्लैट का क्षेत्रफल 5000 वर्ग फुट

यह परिसर सांसदों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। प्रत्येक फ्लैट में 5,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल है, जिसमें कार्यालय और स्टाफ के लिए जगह भी है। यह परियोजना गृह 3-स्टार रेटिंग और राष्ट्रीय भवन संहिता के अनुरूप है।

इमारतें भूकंपरोधी हैं और दिव्यांगों के लिए अनुकूलित हैं। जानकारी के अनुसार इस परिसर को आत्मनिर्भर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है और यह संसद सदस्यों की कार्यात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए आधुनिक सुविधाओं की पूरी श्रृंखला से सुसज्जित है। हरित प्रौद्योगिकी को सम्मिलित करते हुए, यह परियोजना जीआरआईएहए 3-स्टार रेटिंग के मानकों का पालन करती है और राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी) 2016 का अनुपालन करती है। कार्यालयों, कर्मचारियों के आवास और एक सामुदायिक केंद्र के लिए समर्पित क्षेत्रों को शामिल करने से संसद सदस्यों को जन प्रतिनिधि के रूप में अपनी उत्तरदायित्वों को पूरा करने में मदद मिलेगी। परिसर के सभी भवनों का निर्माण आधुनिक संरचनात्मक डिजाइन मानदंडों के अनुरूप भूकंपरोधी बनाया गया है। सभी निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक और सुदृढ़ सुरक्षा तंत्र कार्यान्वित किया गया है।

दिल्ली के शालीमार बाग में दर्दनाक हादसा, स्विमिंग पूल में डूबने से लड़के की मौत

नई दिल्ली । उत्तर-पश्चिम दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में स्विमिंग पूल में डूबने से एक लड़के की मौत हो गई. पुलिस ने सोमवार (11 अगस्त) को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार (10 अगस्त) दोपहर की है. उसने बताया कि अंकित नाम का लड़का अपने दोस्तों के साथ स्विमिंग पूल में उतरा था, लेकिन वह डूब गया. उसने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर शालीमार बाग थाने की एक टीम मौके पर पहुंची. पुलिस ने बताया कि अंकित को पानी से निकालकर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि घटना के समय स्विमिंग पूल में मौजूद अंकित के दोस्तों और वहां के कर्मचारियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं. उन्होंने बताया कि जांच के बाद ही पता चलेगा कि यह महज दुर्घटना थी या साजिश. पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, ''इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और सभी पहलुओं से जांच की जा रही है.'' अधिकारी ने बताया कि पुलिस घटना की कड़ियों को जोड़ने के लिए घटनास्थल के CCTV फुटेज भी खंगाल रही है. पुलिस ने बताया कि इस स्विमिंग पूल का संचालन दिल्ली नगर निगम करता है. दरअसल, शालीमार बाग इलाके में नगर निगम से संचालित एक स्विमिंग पूल है. इस पूल में रविवार को आम जनता के प्रवेश पर प्रतिबंध रहता है. अवकाश के दिन सरोज पिपल वला निवासी 22 साल का अंकित अपने कुछ दोस्तों के साथ स्विमिंग पूल पहुंचा था. अब यह सवाल उठ रहा है कि छुट्टी के दिन अंकित और उसके साथी पूल में कैसे प्रवेश कर गए. मिली जानकारी के अनुसार, लोगों का कहना है कि हादसे के समय पूल में कोई लाइफगार्ड मौजूद नहीं था. तैरते हुए अचानक अंकित गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा. दोस्तों व अन्य लोगों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन समय पर बाहर नहीं निकाल पाए.

तेलंगाना हाईकोर्ट के जज के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी पर शीर्ष अदालत नाराज, कहा- माफी मांगें वकील और वादी

नई दिल्ली । तेलंगाना हाईकोर्ट के जज के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने और आरोप लगाए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की। शीर्ष अदालत ने कहा कि वादी और उसके वकील तत्काल न्यायाधीश से माफी मांगें। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के खिलाफ एससी/एसटी अधिनियम के तहत एक आपराधिक मामले को खारिज करने पर याचिकाकर्ता एन पेद्दी राजू ने तेलंगाना हाईकोर्ट के जज पर पक्षपात और अनुचितता का आरोप लगाया है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने स्वत संज्ञान याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों पर लगाए गए आरोप अवमान-तापूर्ण हैं और उन्हें माफ नहीं किया जा सकता। सीजेआई ने कहा कि हम न्यायाधीशों को कठघरे में खड़ा करने और किसी भी वादी को ऐसे आरोप लगाने की इजाजत नहीं दे सकते। उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश सांविधानिक पदाधिकारी हैं और उन्हें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के समान सम्मान और छूट प्राप्त है। इसके बाद वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने बिना शर्त माफी मांगी। साथ ही बयान देने के कारण समझाए। इस पर सीजेआई ने कहा कि इस तरह का आचरण एक परेशान करने वाली प्रवृत्ति बन गया है, जहां वकील और वादी राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों में न्यायाधीशों की ईमानदारी पर सवाल उठाते हैं। सजियान पीठ के एक फैसले में कहा गया है कि न्यायाधीशों के खिलाफ अपमानजनक आरोप लगाने के लिए वादियों और वकीलों दोनों को अवमानना का दोषी ठहराया जा सकता है। इसके बाद पीठ ने तेलंगाना उच्च न्यायालय में पहले से निपटाए गए मामले को फिर से खोलने और एक सप्ताह के भीतर संबंधित न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। साथ ही याचिकाकर्ता को न्यायाधीश के समक्ष बिना शर्त माफी मांगने का आदेश भी दिया। पीठ ने कहा कि न्यायाधीश एक सप्ताह के भीतर निर्णय लेंगे कि माफी स्वीकार की जाए या नहीं। इससे पहले 29 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाईकोर्ट के एक जज के खिलाफ अपमानजनक आरोप लगाने पर याचिकाकर्ता और उसके वकील को अवमानना का नोटिस जारी किया था।